बैठक प्रतिवेदन

दिनांक 6.10.2018 को अपरान्ह 2.00 बजे कक्ष संख्या 82 में महाविद्यालय विकास समिति की साधारण बैठक आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्यों को आमंत्रित किया गया —

अध्यक्ष - प्राचार्य, डा. श्रीमती रीटा गुलाटी
सचिव - श्रीमती प्रेमजीत कौर सूरी
कोषाध्यक्ष - डा. श्रीमती स्मृति जौहरी
कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय प्रतिनिधि - डा. दिनेश तिवारी

बाह्य सदस्य —

श्री ओम कृष्ण बिरला (सांसद)
श्री प्रहलाद गुंजल (विधायक)
श्री महेश विजय (महापौर)
श्री सुरेन्द्र गोचर (जिला प्रमुख)
सुश्री भावना शर्मा (सहा. कलक्टर)
डा. संतोष गोगिया (शिक्षाविद्)
श्रीमती रश्मि गोयल (शिक्षाविद्)
श्रीमती तनुजा खन्ना (प्रबुद्ध नागरिक)
श्रीमती कृष्णा खण्डेलवाल (प्रबुद्ध नागरिक)
श्रीमती कुमकुम जेटली (महिला उद्यमी)
श्रीमती स्वाति गुप्ता (समाजसेविका)
सुश्री नीतू सिंह (नामित प्रतिनिधि)
श्री बुन्दू अली (अभिभावक)
श्री बी. एल नागर (अभिभावक)

आन्तरिक विकास समिति —
श्रीमती मधु खन्ना
डा. श्रीमती लक्ष्मी भाल
डा. (श्रीमती) प्रतिमा श्रीवास्तव
डा. (श्रीमती) फातिमा सुल्ताना
श्री घनश्याम नागर (सहा. लेखा.)
श्रीमती सुमन शर्मा (स्टोर इंचार्ज)
श्रीमती मेरी कुट्टी (कैशियर)
सुश्री टीना सुबालका (छात्रसंघ अध्यक्ष) 2018-19

बैठक की कार्यवाही इस प्रकार रही —

बिन्दु सं. 1 — सत्र 2018-19 की प्रथम बैठक में उपस्थित सभी अतिथियों का सचिव श्रीमती प्रेमजीत द्वारा पुष्पगुच्छ दे स्वागत किया गया।
सचिव महोदय ने पूर्व में दो बार निर्धारित तिथियों दि: 17/8/18 व दि 6/9/18 को क्रमशः पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयीजी के निधन होने के कारण व अगली तिथि को भारत बंद का असर रहने के कारण विलम्ब से बैठक आयोजित करने पर खेद प्रकट किया।

बिन्दु सं. 2 — गत बैठक का प्रतिवेदन सचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसका अनुमोदन महाविद्यालय विकास समिति अध्यक्ष डा. श्रीमती रीटा गुलाटी जी द्वारा किया गया।

बिन्दु सं 3 — सचिव श्रीमती सूरी ने बताया कि महाविद्यालय विकास समिति के शिक्षाविद् सदस्य डा. उमा शर्मा व श्रीमती संध्या गुप्ता का क्रमशः पित्त की पथरी का आपरेशन व श्रीमती संध्या गुप्ता का दोनों पैरों का Knee Replacement Surgery कराने के कारण स्वास्थ्य कारणों से बैठक में आने की असमर्थता प्रकट करी। समिति अध्यक्ष डा. श्रीमती रीटा गुलाटीजी व समिति के अन्य सदस्यों ने सर्वसम्मति से दो शिक्षाविदों - डा. श्रीमती संतोष गोगिया (सेवानिवृत

वरिष्ठ व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय, कोटा) एवम श्रीमती रश्मि गोयल (प्राचार्य, राजकीय सी॰ सै॰ स्कूल, संतोषी नगर, कोटा) का मनोनयन किया गया। इन नवीन शिक्षाविदों का भी सचिव द्वारा स्वागत किया गया।

बिन्दु सं॰ 4 – कॉलेज शिक्षा आयुक्तालय द्वारा राजस्थान सरकार के नामित दो स्थानीय प्रबुद्धजन श्रीमती कृष्णा खण्डेलवाल एवम श्रीमती तनुजा खन्ना जी का सचिव महोदय द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

बिन्दु सं॰ 5 – सत्र 2018-19 में निर्वाचित छात्रसंघ अध्यक्ष सुश्री टीना सुवालका का कोषाध्यक्ष डा॰ स्मृति जोशी ने स्वागत कर पुष्पगुच्छ भेंट किया। साथ ही महाविद्यालय में रिक्त पद पर स्थानान्तरित हो कर आए AAO श्री घनश्याम नागर जी व कैशियर श्रीमती मेरी कुट्टी समिति सदस्यों ने स्वागत किया।

बिन्दु सं॰ 6 – अध्यक्ष डॉ॰ श्रीमती रीटा गुलाटी जी की औपचारिक अनुमति ले बैठक प्रारम्भ कर पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों पर चर्चा करी गई व अधूरे रहे कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण करवाने का प्रयास करने को कहा गया।

बिन्दु सं॰ 7 – अध्यक्ष महोदय ने महाविद्यालय में उपलब्ध तीन जेनरेटरों को प्राथमिकता के आधार पर अतिशीघ्र मरम्मत करा उपयोगी बनवाने की आवश्यकता बताई जिसका सभी सदस्यों ने स्वागत किया।

बिन्दु सं॰ 8 – सचिव श्रीमती सूरी ने बताया कि महाविद्यालय मुख्यद्वार पर महाविद्यालय का पेन्ट से लिखा नाम विलीन हो गया है व शीघ्र ही खराब हो जाता है। अतः महाविद्यालय मुख्य द्वार पर महाविद्यालय का नाम "ग्लो साइन" बोर्ड पर लिखवाया जाए जो कि रात्रि के समय भी सुस्पष्ट पढ़ाई में आ सके। इस सुझाव का सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं॰ 9: महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्राचार्य कक्ष में विकास समिति मद से महाविद्यालय कार्यक्रमों में आने वाले आगन्तुकों को बैठने हेतु पारम्परिक सोफा सेट क्रय करने का सुझाव दिया जिसको कि समिति के सभी सदस्यों ने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

बिन्दु सं॰ 10: रसायनशास्त्र विभागाध्यक्ष डा॰ लक्ष्मी माल ने M.Sc रसायनशास्त्र प्रयोगशाला में सभी छात्राओं की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए व सुरक्षा दृष्टि से गैस पाईप लाइन बिछाने का प्रस्ताव रखा जिसका की समिति सदस्यों ने समर्थन किया।

बिन्दु सं॰ 11: छात्रसंघ अध्यक्ष सुश्री टीना सुवालका ने महाविद्यालय मुख्यद्वार पर सुरक्षा एवं निगरानी के लिए सी.सी.टी.वी कैमरा लगवाने की आवश्यकता बताई। अध्यक्ष महोदय ने समिति सदस्यों से विचार विमर्श कर समस्या का समाधान करने को कहा।

बिन्दु सं॰ 12: महाविद्यालय में स्ववित्तपोषी योजना के अन्तर्गत खोले गए PG विषय (प्राणीशास्त्र, भौतिकशास्त्र, गणित) के विभागाध्यक्षों ने आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विभागों में अति आवश्यक उपकरण खरीदना तथा फैकल्टी / प्रयोगशाला सहायक / चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी एजेन्सी के माध्यम से रखने का प्रस्ताव रखा जिसका कि समिति के सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं॰ 13: भौतिकशास्त्र विभागाध्यक्ष डा॰ श्रीमती संगीता सुनेजा ने छात्राओं का रूझान व अत्यधिक संख्या में PG. भौतिकशास्त्र के लिए प्रवेश पत्र प्राप्त होने पर आयुक्तालय द्वारा पूर्व में ली गई 10 सीटों की अनुमति को बढ़वाने की आवश्यकता बताई। छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए समिति सदस्यों ने आवश्यक

प्रस्ताव बनवाकर आयुक्तालय अग्रेषित करने का सुझाव दिया।

बिन्दु सं. 14: छात्र संघ अध्यक्ष सुश्री टीना सुवालका एवम् आमंत्रित प्रबुद्ध नागरिक श्रीमती कृष्णा खण्डेलवाल ने स्वयंपाठी छात्राओं से महाविद्यालय विकास शुल्क लेने की मंशा प्रकट करी क्योंकि स्वयंपाठी छात्राओं की संख्या नियमित छात्राओं से अधिक होती है व इन छात्राओं द्वारा परीक्षा समय में महाविद्यालय के उपलब्ध संसाधन, सभी व्यवस्थाएं कक्षा कक्ष, लेबोरेटरी इत्यादि उपयोग में लाये जाते हैं। अतः नियमित छात्राओं के समान स्वयंपाठी छात्राओं से भी विकास शुल्क राशि 400/- वसूला जाए। इस सुझाव का सभी सदस्यों ने अनुमोदन किया।

बिन्दु सं 15: महाविद्यालय में इसी सत्र खोले गये नवीन (SFS) स्नातकोत्तर विषयों के विभागाध्यक्षों ने बताया कि प्रवेश के समय यदि आवंटित सीटें खाली रह जाती हैं व छात्रा प्रवेश में उपरान्त सीट आवंटन के बाद भी प्रवेश नहीं लेती है तो उसको कोई शुल्क वापस नहीं किया जाएगा। यदि कोई छात्रा प्रवेश उपरान्त T.C कटाती है व आरक्षित सूची से अन्य छात्रा उक्त विषय में प्रवेश ले पूरा शुल्क जमा करा देती है तो T.C कटाने वाली छात्रा को प्रवेश तिथि से एक माह के अन्दर शुल्क राशि का 10% काट कर भुगतान कर दिया जावेगा। जिसका कि समिति सदस्यों ने अनुमोदन किया व एक नियम सूची भी बनवाने की आवश्यकता बताई।

बिन्दु सं: 16: चूंकि महाविद्यालय अब केवल विज्ञान महाविद्यालय के रूप में संचालित हो रहा है व छात्राओं की संख्या भी सीमित रह गई है अतः सचिव महोदय ने विकास समिति की आय बढ़ाने हेतु महाविद्यालय द्वारा लिये जा रहे विभिन्न शुल्कों का इसी सत्र 2018-19 से पुर्ननिर्धारण करने की आवश्यकता बताई। निम्न प्रकार से शुल्कों में अभिवृद्धि की गई :—

(i) प्रायोगिक परीक्षा के समय छात्राओं द्वारा बैच बदलवाने पर 100/- शुल्क लेना।

(ii) मूल T.C. गुम हो जाने पर Duplicate T.C/C.C बनवाने पर 100/- अतिरिक्त शुल्क वसूल किया जाएगा जिसका कि योग 250/- होगा। (150/- मूल T.C/C.C का + 100/- अतिरिक्त शुल्क Duplicate T.C/C.C बनवाने का)

(iii) अध्ययन प्रमाण पत्र 10/- रुपये से बढ़ाकर 50/- किया जाना। (10/- राजकीय कोष में व 40/- विकास शुल्क)

(iv) हिन्दी से अंग्रेजी अनुवाद में T.C बनवाने पर 50/- रुपये शुल्क लिया जाना।

(v) स्वंयपाठी प्रायोगिक परीक्षा प्रपत्र शुल्क 5/- रुपये से बढ़ाकर 10/- रुपये किया जाना।

बिन्दु सं: 17: सचिव महोदय ने बताया कि दिनांक 16/9/2017 को आयोजित समिति बैठक में पेरा 7 पर अंकित प्रस्ताव जिसका कि कार्यालय आदेश क्रमांक 1995/20.12.18 के तहत इस सत्र की दिनांक 6/10/18 को आयोजित बैठक में निर्णय ले लागू कर दिया गया है व स्वंयपाठी छात्राओं से भी नियमित छात्राओं के शुल्क के बराबर 300/- रुपये के स्थान पर 400/- रुपये लेना इसी सत्र से प्रारम्भ कर दिया गया है। पूर्व में स्वयंपाठी छात्राओं से यह शुल्क नहीं लिया जा रहा था।

अन्त में कोषाध्यक्ष डॉ. स्मृति जौहरी ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों को सहयोग प्रदान करने पर धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यों की आवश्यकता देखते हुए व प्राथमिकता तय कर उपरोक्त कार्यवाही का अनुमोदन कर पूर्व में लिये गये प्रस्तावों के क्रियान्वन की सभी सदस्यों ने अनुमति प्रदान करी।

स्मृति
कोषाध्यक्ष

[signature]
सचिव